अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष—12 अंक — 191 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शुक्रवार 10 नवम्बर 2023 पृष्ठ — 4 मूल्य—3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र के मवैया में स्थित श्रम बिहार नगर में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इसके चलते खुदकुशी की वजह पता नहीं चल सकी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मवैया में स्थित श्रम बिहार नगर में झोपड़ पट्टी में गोविंद रहता हैं। गोविंद के घर से कुछ दूरी पर उसके परिवार के लोग रहते हैं। गोविंद (25) ने गुरुवार सुबह करीब चार बजे अपने कमरें में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके साथ रह रहे मामा साधु राम बाथरूम करने उठे तो देखा कि भांजे गोविंद का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। उन्होंने परिजनों को सूचना देने के साथ ही पुलिस को सूचना दी ,मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। बताया जा रहा है कि गोविंद की शादी काजल के साथ शादी हुई थी। उसको एक पांच साल का बेटा मोहर अली भी है। काजल गोविंद को छोड़कर करीब दो वर्ष पहले असम चली गई है। वहीं रह रही हैं। मृतक शराब पीने का आदी था।

योगी सरकार में मंत्री रहे आशुतोष टंडन का निधन ,लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में ली आखिरी सांस

लखनऊ। योगी सरकार के पूर्व मंत्री और लखनऊ पूर्वी विधानसभा सीट से विधायक आशुतोष टंडन उर्फ गोपाल जी का गुरुवार को निधन हो गया। लखनऊ के मेदांता अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। 26 सितंबर से वह मेदांता लखनऊ में भर्ती थे। वहीं, 9 नवंबर दोपहर 12 बजकर 7 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली। पूर्व मंत्री कैंसर से जूझ रहे थे। इसके चलते उन्हें 6 महीने में 5 बार अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा था। दोपहर ढाई बजे आशुतोष टंडन का शव बीजेपी प्रदेश कार्यालय लाया गया। वहां श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद आशुतोष टंडन का शव उनके आवास पर लाया गया। यहां सीएम योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। आशुतोष टंडन लखनऊ के पूर्व सांसद और पूर्व राज्यपाल लालजी टंडन के बेटे थे। 2017 में प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद उन्हें योगी सरकार में मंत्री बनाया गया था। वर्तमान में वे लखनऊ पूर्व सीट से विधायक थे। उनके करीबियों का कहना है कि काफी समय से वह बीमार चल रहे थे।

अयोध्या में पहली बार योगी कैबिनेट बैठक,

सीएम ने मंत्रियों संग रामलला के दर्शन किए, 14 प्रस्ताव पास, सभी मेलों का खर्च उठाएगी सरकार

लखनऊ। 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा होनी है। इससे पहले यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में पहली कैबिनेट बैठक अयोध्या धाम आई है। केंद्र और राज्य सरकार की 30,500 करोड़ रुपए से ज्यादा की 178 योजनाएं पहले से ही अयोध्या में चल रही हैं। आज अयोध्या धाम तीर्थ विकास इसके तहत तीर्थ यात्रियों को ठहरने से लेकर खाने तक की सुविधा मिलेगी। इससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा। देवीपाटन धाम तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद के प्रस्ताव भी बुलंदशहर में गंगा मेला, देव दीपावली आयोजन के खर्च सरकार द्वारा उठाने का प्रस्ताव भी पास हुआ है। प्रदेश में महिला स्वयंसेवी समूहों को उनके ही ब्लॉक में प्लांट

की है। लोकसभा चुनाव 2024 भी करीब है। बता दें कि 9 नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए शिलान्यास हुआ था। सुप्रीम कोर्ट में सालों चले राम जन्मभूमि विवाद का फैसला भी 9 नवंबर 2019 को ही रामलला के पक्ष में आया था। आज अयोध्या में हुई पहली कैबिनेट बैठक में 14 प्रस्ताव पास हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, आज उत्तर प्रदेश के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ा है। यूपी सरकार की पूरी कैबिनेट परिषद के गठन का फैसला किया है। इसके साथ ही अयोध्या के सभी मेलों का खर्च अब सरकार उठाएगी। उत्तर प्रदेश में अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थापना की जाएगी। यूपी को एक्सपोर्ट हब बनाने में मदद मिलेगी। अयोध्या को काशी होकर कोलकाता से जलमार्ग से जोड़ा जा सकेगा। गंगा, यमुना, सरयू में क्रूज चलाएंगे। रामलला का मंदिर बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा हो रहा है। इसलिए अयोध्या तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद की स्थापना की जाएगी। पास किया है। रामायण शोध संस्थान बनाया जाएगा। नई ड्रोन पॉलिसी लागू की है। अब ड्रोन का रजिस्ट्रेशन कराना होगा। अयोध्या के माझा जमथरा गांव में भारतीय मंदिर वस्तुकला संग्रहालय बनाने के लिए 25 एकड़ भूमि दिए जाने का प्रस्ताव भी पास किया है। मुजफ्फरनगर के शुक्रताल धाम तीर्थ विकास परिषद के गठन का प्रस्ताव भी पास किया गया है। इनलैंड वाटर–वे प्राधिकरण के गठन के संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। हाथरस में दाऊजी लक्खी मेला, अयोध्या के सभी मेला, लगाने के संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। 28 नवंबर शीतकालीन सत्र होगा। यह सत्र एक सप्ताह का होगा। कैबिनेट के साथ किए रामलला के दर्शन अयोध्या में पहली कैबिनेट बैठक से पहले सीएम योगी ने रामलला के दर्शन–पूजन किया। साथ में, 18 कैबिनेट मंत्री भी मौजूद रहे। यहां योगी, अपने मंत्रियों के साथ इलेक्ट्रिक बस में बैठकर पहुंचे थे। इस दौरान, खिड़की से हाथ हिलाकर उन्होंने अभिवादन स्वीकार किया। इससे पहले उन्होंने हनुमान गढ़ी में भी दर्शन के लिए पहुंचे थे।

दीपावली पर चाइनीज लाइट की रोशनी,कहीं खो न जाए दीये की चमक

लखनऊ। लखनऊ के पारा क्षेत्र फतेगंज में कुम्हार जाति के 400 से 500 लोग निवास करते है। बताते है कि बचपन से ही कुम्हार का काम करते चले आ रहे है। दीपक बनाने वाले कुम्हार जाति के लोगों का इकलौता मिट्टी के सामानों को बनाकर बेचने से ही घर का खर्च, बच्चों की पढ़ाई और दवाई का कार्य चलता है। लखनऊ के पारा क्षेत्र फतेगंज में मिट्टी के दिए बनाने वाले हामिद और इमरान बताते हैं कि पिछले 3 महीने से इस दीपावली पर्व को लेकर पूरा परिवार दीया बना रहा है। एक दिन में 1000 से 3000 पीस तैयार होता है। जिसके पीछे पूरे परिवार की मेहनत होती है। दीया बनाने के लिए 800 रुपये प्रति ट्रैक्टर ट्राली मिट्टी खरीदना पड़ता है। फिर उस मिट्टी को 500 रुपये देकर घर के अंदर डलवाते हैं। इसके लगभग 10 दिन बाद मिट्टी को 10 दिन का समय लगता है। जिसके बाद दीया बनाने लायक मिट्टी तैयार होती है। जब मिट्टी तैयार होती है तो पूरा परिवार इससे दीया इस उम्मीद में बनाते हैं कि अगर यह अच्छा बिका तो हमारे घर भी अच्छे तरीके से दिवाली मन पाएगा। पहले 4 से 5 लाख के दीपक बेच लेते थे, कुम्हार अब 50 हजार दीपक बिकना मुश्किल होता है। उन्होंने सरकार से अपील की है कम दरों पर मिट्टी उपलब्ध कराई जाए। कुम्हारों ने कहा कि हम लोगों की गुहार है कि सरकार हमें मिट्टी कम कीमत पर उपलब्ध कराए। हमारे मिट्टी के बने चीजों की डिमांड दीपावली और पूजा पाठ में ही इस्तेमाल होती है। इसलिए हम चाहते हैं कि लोग चाइनीज लाइट खरीदने की जगह पर हमारे हाथों के बनाए हुए मिट्टी का दीया खरीदें।

बुक स्टोर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग,लाखों रूपये की किताबें जलकर हुई राख

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में एलडीए के बारा बिरवा सेक्टर–बी में स्थित एक बुक स्टोर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। जिस मार्केट में आग लगी थी, वहां केवल तेज धुआं उठ रहा था। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना पाकर मौके पर आलमबाग फायर स्टेशन से पहुंची दो गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। हालाकि आग बुझाने तक दुकान में रखी लाखों रूपये की किताबें जलकर राख हो चुकी थी। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आलमबाग थाना क्षेत्र के भोला खेड़ा निवासी निखिल पांडे ने बताया कि उनकी कल्याणी बुक डिपो के नाम से बारा बिरवा में स्थित बदनाम लड्डू के बगल में दुकान खोल रखी हैं। मार्केट में अन्य दुकानें भी हैं। वह रोजाना की तरह बुधवार रात दुकान बंद कर घर चले गए थे। गुरुवार सुबह उन्हें पांच बजे फोन पर दुकान में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना पाकर मौके पर पहुंच कर दुकान का शटर खोला तो देखा कि दुकान के अंदर आग लगी है। धुआं भरा हुआ था। निखिल ने स्थानीय पुलिस को सूचना देने के साथ ही फायर बिग्रेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया। निखिल के मुताबिक करीब 70 से 80 लाख का रूपये का नुकसान होने की बात बताई हैं। आलमबाग फायर स्टेशन प्रभारी धर्मपाल सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम पर साढ़े पांच के करीब आग लगने की सूचना मिली थी। जिस पर वह टीम के साथ दो फायर बिग्रेड की गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचकर टीम ने डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया गया था। जांच की जा रही हैं।

बीकेटी में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में लाखों की चोरी,सामान के साथ डीवीआर भी उठा ले गए

लखनऊ। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में चोरों का हौसला बुलंद है,यहां चोर लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। गुरुवार की रात पुलिस पिकेट से चंद कदमों की दूरी पर इलेक्ट्रॉनिक दुकान से लाखों रुपए का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, केबिल सहित अन्य सामान चोर उड़ा ले गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दुकान का जायजा लिया। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में अस्ती क्रासिंग के पास लाइट हाऊस के नाम से इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। दुकान से चंद कदमों की दूरी पर पुलिस पिकेट भी है। गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने शटर का ताला काटकर लाखों रुपए के सामान और उपकरण उठा ले गए। इस मामले में दुकानदार संदीप सिंह ने बख्शी का तालाब थाने में में लिखित तहरीर भी दी है। संदीप सिंह ने बताया कि वह रात्रि करीब नौ बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह दस बजे वह जब दुकान खोलने आये तो देखा कि शटर का ताला टूटा हुआ था और लाखों रुपए के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और सामान गायब थे। दुकानदार संदीप सिंह के अनुसार चोर करीब 2 लाख रुपए का सामान सहित दुकान में लगे डीवीआर और कैमरा भी साथ ले गए। बीकेटी थाना प्रभारी राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे हैं। शीघ्र खुलासा किया जाएगा। पुलिस की टीम बनाकर चोरों को पकड़ने के लिए भेजा है।

तालाब में मिला आईटीआई छात्र का शव,घर से सामान लेने के लिए निकला था मृतक

लखनऊ। बीकेटी में रेलवे क्रासिंग के पास स्थित तालाब में छात्र का शव मिला। गुरुवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने की जानकारी राहगीरों ने बख्शी का तालाब थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस शव को बाहर निकलवाया। वहीं उसकी शिनाख्त करवाई गई। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक पास के गांव का रहने वाला है। पुलिस ने परिजनों को भी सूचित किया। परिजनों ने बताया कि वह निजी आईटीआई का छात्र है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस जांच में जुटी हुई है। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के टिकारी गांव की रेलवे क्रासिंग के पास तालाब में सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव मिला। बुधवार सुबह राहगीर ने देखा कि तालाब के बाहर साईकिल और कपड़े पड़े हैं। उसमें मोबाइल की घंटी बज रही थी। उसने पैंट से मोबाइल निकाला और बताया कि एक युवक तालाब में उतरा रहा है। जानकारी पाकर मौके पर थाना प्रभारी राणा राजेश कुमार सिंह मय पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचे। युवक के शव को तालाब से बाहर निकलवाया गया। उसकी शिनाख्त करवाई गई, तो पता चला कि मृतक देवरी रुखारा गांव का रहने वाला प्रभाकर उर्फ आदर्श है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने बताया कि शव प्रभाकर उर्फ आदर्श उम्र लगभग 18 वर्ष का है। वह पास के गांव में स्थित निजी कुसुम से आईटीआई में पढ़ता था। परिजनों ने कहा कि बुधवार दोपहर 1 बजे घर से सामान लेने के लिए निकला था। लेकिन घर वापस नहीं आया था। आज सुबह सूचना मिली आदर्श का शव तालाब में मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। बीकेटी थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस जांच में जुटी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।

पूर्व मंत्री आशुतोष टंडन के निधन पर अखिलेश यादव ने जताया दुख

लखनऊ। योगी सरकार में मंत्री रहे आशुतोष टंडन उर्फ गोपालजी का लंबी बीमारी से लखनऊ के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। इसे लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गहरा के लिए लखनऊ के मेदांता अस्पताल में 26 सितंबर को एडमिट कराया गया था। जहां पर उन्होंने अंतिम सांस ली। आशुतोष टंडन लखनऊ के पूर्व सांसद और पूर्व राज्यपाल लालजी

दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि लखनऊ पूर्वी से भारतीय जनता पार्टी के विधायक आशुतोष टंडन का निधन, अत्यंत दुःखद। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना और भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। बता दें कि आशुतोष टंडन उर्फ गोपालजी कैंसर जैसी घातक बीमारी से जूझ रहे थे। उन्हे इलाज टंडन के बेटे थे। 2017 में प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद उन्हें योगी सरकार में मंत्री बनाया गया था। वर्तमान में वे लखनऊ पूर्व सीट से विधायक थे। उनके करीबियों का कहना है कि काफी समय से वह बीमार चल रहे थे। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में उनके पास नगर विकास, रोजगार और गरीबी उन्मूलन जैसे कई बड़े मंत्रालय का जिम्मा था। आशुतोष टंडन के पिता लालजी टंडन मध्य प्रदेश के पूर्व राज्यपाल थे। गौरतलब है आशुतोष टंडन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से भारतीय जनता पार्टी के नेता रहे वे ष्गोपाल जीष के नाम से भी लोकप्रिय रहे। वर्तमान में वे उत्तर प्रदेश की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार में नगर विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन मंत्री रहे। इसके पहले वह तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा मंत्री भी थे। वे भारतीय जनता पार्टी से लखनऊ पूर्व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक रहे। वे 2013 में लखनऊ पूर्व सीट पर हुए उप–चुनाव में जीत हासिल करके पहली बार विधानसभा पहुंचे थे। वर्ष 2012 के चुनाव में उन्होंने लखनऊ उत्तर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। टंडन ने 1980 में लखनऊ यूनिवर्सिटी से आर्ट्स में ग्रेजुएशन किया था। वहीं उनकी मौत पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को राहत,२३ साल पुराने मामले में एससी की रोक

वाराणसी। साल 2000 के बहुचर्चित संवासिनी प्रकरण में युवा कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष रणदीप सिंह सुरजेवाला को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। रणदीप सिंह सुरजेवाला के खिलाफ वाराणसी कोर्ट द्वारा गैर जमानत वारंट जारी करने का मामला है। सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद अब रणदीप सिंह सुरजेवाला की गिरफ्तारी पर रोक लग गई है। कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी पर उच्चतम न्यायालय ने 5 हफ्ते तक गिरफ्तारी पर रोक लगाई है। दरअसल, कांग्रेस नेता के खिलाफ वाराणसी की कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया था, जिसपर एससी में कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी, अब कोर्ट ने गैर जमानती वारंट को चुनौती देने के लिए 4 हफ्ते का समय दिया है।

दरअसल, वाराणसी कोर्ट ने कांग्रेस के राज्यसभा सांसद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया था। साथ ही दिल्ली के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर 21 नवंबर को उपस्थिति सुनिश्चित कराने को कहा था। जिसके बाद सुरजेवाला के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट का रुख किया था, जिसपर कोर्ट ने फैसला सुनाया है। वाराणसी में मंडलायुक्त की अदालत और कार्यालय परिसर में हिंसक विरोध प्रदर्शन के 23 साल पुराने मामले में ये वारंट जारी हुआ था। जिसके बाद अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है और कांग्रेस नेता को राहत मिली है। सुरजेवाला को अब 5 सप्ताह तक वाराणसी की कोर्ट में पेश होने से राहत मिलेगी। कांग्रेस नेता पर इस मामले में कमिश्नरी में प्रदर्शन के दौरान तोड़फोड़ और सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचाने का आरोप है। इस मामले में युवा कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष रणदीप सिंह सुरजेवाला समेत अन्य लोग आरोपी हैं।

काशी में महिलाओं ने फूंका बिहार के सीएम का पुतला

वाराणसी। वाराणसी में बिहार के सीएम नीतीश कुमार द्वारा दिए गए विवादित बयान के खिलाफ महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित महिला व्यापार मंडल की महिलाओं ने वाराणसी नगर निगम कार्यालय के बाहर नारेबाजी करते हुए नीतीश कुमार का पुतला दहन किया। इस दौरान महिलाओं ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग किया। वाराणसी में बिहार के सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करते वाली महिलाओं ने नीतीश कुमार के बायन पर निंदा व्यक्त किया है। महिलाओं का कहना है कि अब तक देश की महिलाएं नीतीश कुमार का बहुत सम्मान करती थी। नीतीश कुमार महिलाओं के प्रति कितना घृणित सोच रखते है। यह उनके बयान से उजागर हो गया। ऐसे में नीतीश कुमार सीएम पद पर रहने के लायक नहीं है। नीतीश कुमार को तत्काल सीएम पद से इस्तीफा देना चाहिए। वाराणसी व्यापार मंडल की शालिनी ने कहा कि नीतीश कुमार यदि महिलाओं का सम्मान नहीं कर सकते, तो वह इस्तीफा दें। यदि वह इस्तीफा नहीं देते है, तो आज पुतला दहन कर महिला सड़क पर विरोध कर रही है। आने वाले दिनों में नीतीश कुमार के खिलाफ महिलाओं का हुजूम सड़क पर उतरकर उनसे इस्तीफे की मांग करेगी।

कॉलेज में चपरासी ने फांसी लगाकर दी जान,कमरे में गमछे से लटकता मिला शव

वाराणसी। राजातालाब थाना क्षेत्र के महाराजा बलवंत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संदिग्ध परिस्थिति में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। नगर पंचायत गंगापुर वार्ड नंबर 7 बलवंत नगर निवासी हबीबुल्लाह पुत्र मोहम्मद इसराइल, महाराजा बलवंत सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 30 साल से चपरासी पद पर कार्यरत था। बीती रात ड्यूटी के दौरान सुबह शिक्षा शास्त्र विभाग ऑफिस के बगल वाले रूम में पंखे में गमछा बांधकर फंदा लगा लिया। जब सुबह विद्यालय के कर्मचारी ने खिड़की से झांक कर देखा तो पंखे के सहारे हबीबुल्लाह लटकता मिला। जिसकी सूचना कर्मचारियों ने राजातालाब पुलिस को दी। सूचना पर पहुंचे राजातालाब एसीपी ने विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला, जिसमें देखा गया कि मोहम्मद इसराइल लगभग 4रू00 बजे नजर आया। वहीं एसीपी राजातालाब ने कहा कि मामला संदिग्ध है। जांच की जा रही हैं। इस घटना से विद्यालय में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। मृतक चार भाइयों में सबसे बड़ा था। मृतक के दो लड़के एवं दो लड़कियां थीं। इस घटना से पत्नी सायरा का बुरा हाल है।

सम्पादकीय

Artifical Intelligence का डीप फेक परमाणु बम से भी खतरनाक, क्या है इसे पहचानने का तरीका, दोषी पाए जाने पर कितनी सजा

रश्मिका मंदाना सोशल मीडिया एप एक्स पर छाईं रहीं। वजह थी उनके एक फेक वीडियो का सामने आना। रश्मिका डीप फेक वीडियो की लेटेस्ट विक्टिम बनीं। एक वीडियो में कथित तौर पर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को एक लिफ्ट में प्रवेश करते हुए दिखाया गया है। इसने इंटरनेट पर एक नई बहस छेड़ दी है। मूल वीडियो में एक ब्रिटिश भारतीय लड़की ज़ारा पटेल है और उसके चेहरे के साथ छेड़छाड़ करके उसकी जगह मंदाना का चेहरा लगा दिया गया था। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि डीप फेक लेटेस्ट और गलत सूचना का अधिक खतरनाक और हानिकारक रूप है, जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को निपटने की जरूरत है। उन्होंने डिजिटल धोखाधड़ी से संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कानूनी दायित्वों और आईटी नियमों का भी हवाला दिया। ये एकलौता केस नहीं है जब चेहरा बदलकर किसी का वीडियो बनाया गया हो। महिला सेलब्स अक्सर इसका शिकार होती हैं। ये वीडियो डीफफेक की कैटेगरी के नाम से खूब चलते हैं।

क्या होता है डीप फेक

ये 2 शब्दों डीप लर्निंग और फेक के मेल से बनता है। डीप लर्निंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एक हिस्सा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सरल शब्दों में समझें तो ऐसी टेक्नोलॉजी जो खुद काम कर सकती है। यानी अपनी खुद की अक्ल लगाकर। जैसे आप गूगल अस्टिटेंट से कह दें कि म्यूजिक बजाओ। उसमें आपको खुद उठकर म्यूजिक नहीं प्ले करना पड़ता है। इंसानी दिमाग के जितना करीब हो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उतनी ही बेहतर मानी जाएगी। डीप फेक ह्यूमन इमेज सिंथेसिस नाम की टेक्नोलॉजी पर काम करता है। जैसे हम किसी भी चीज की फोटोकॉपी कर लेते हैं वैसे ही ये टेक्नोलॉजी चलती फिरती चीजों की कॉपी कर सकती है। यानी स्क्रीन पर आप एक इंसान चलते, फिरते, बोलते देख सकते हैं पर वो नकली होगा। इस टेक्नोलॉजी की नींव पर बनी एप्स बेहद नुकसान पहुंचा सकती है। इससे किसी व्यक्ति के चेहरे पर दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। वो भी इतनी सफाई और बारिकी से कि नीचे वाले चेहरे के सभी हाव भाव ऊपर वाले चेहरे पर दिख सकते हैं। ये उसी तरह है जैसे एकता कपूर के सिरीयल में प्लास्टिक सर्जरी से पुराने चेहरे को नया बना दिया जाता था। फिर लोगों को लगता था कि सारे काम वो व्यक्ति कर रहा है जो ऊपर दिख रहा है।

कलर और लाइटिंग का मिसमैच होना

डीप फेक के क्रिएटरों को एक्युरेट कलर टोन और लाइट की कॉपी करने में कठिनाई हो सकती है। सबजेक्ट के फेस और आसपास की लाइटिंग में किसी भी विसंगति पर ध्यान दें।

ऑडियो क्वालिटी

डीपफेक वीडियो अक्सर एआई–जनरेटेड ऑडियो का उपयोग करते हैं जिनमें कुछ खामियां हो सकती हैं। विजुअल के साथ ऑडियो क्वालिटी को मैच करें।

क्या यह सिर्फ वीडियो के बारे में है?

नहीं, डीपफेक तकनीक शुरुआत से ही ठोस लेकिन पूरी तरह से काल्पनिक तस्वीरें बना सकती है। सार्वजनिक हस्तियों की वॉयस स्किन्स या वॉयस क्लोन बनाने के लिए ऑडियो को डीपफेक भी किया जा सकता है। पिछले मार्च में एक जर्मन ऊर्जा कंपनी की यूके सहायक कंपनी के प्रमुख ने जर्मन सीईओ की आवाज की नकल करने वाले एक धोखेबाज द्वारा फोन किए जाने के बाद हंगरी के एक बैंक खाते में लगभग ख200,000 का भुगतान किया था। कंपनी के बीमाकर्ताओं का मानना घ्छ्है कि आवाज डीपफेक थी, लेकिन सबूत स्पष्ट नहीं है। इसी तरह के घोटालों में कथित तौर पर रिकॉर्ड किए गए व्हाट्सएप वॉयस संदेशों का उपयोग किया गया है।

कैसे बनाये जाते हैं?

एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट है। फेसबुक या एक्स से अलग ये एक विचार का मंच है। अलग अलग टॉपिक के थ्रेड यहां पर होते हैं। रेडिट पर एक यूजर ने सबसे पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करते हुए एक फेक वीडियो डाला। यूजर का नाम डीप फेक था। यहीं से पोर्न की एक नई कैटेगरी चालू हुई। वीडियो में मशहूर हस्तियों गैल गैडोट, टेलर स्विफ्ट, स्कारलेट जोहानसन और अन्य के चेहरे पोर्न कलाकारों के चेहरे पर बदल दिए गए। चेहरे की अदला–बदली वाला वीडियो बनाने में कुछ चरण लगते हैं। सबसे पहले, आप एनकोडर नामक एआई एल्गोरिदम के माध्यम से दो लोगों के हजारों चेहरे के शॉट चलाते हैं। एनकोडर दो चेहरों के बीच समानताएं ढूंढता है और सीखता है, और प्रक्रिया में छवियों को संपीड़ित करते हुए, उन्हें उनकी साझा सामान्य विशेषताओं में कम कर देता है। फिर एक दूसरे एआई एल्गोरिदम जिसे डिकोडर कहा जाता है। कंप्रेस्ड इमेज से चेहरों को पुनर्प्राप्त करना सिखाता है। चेहरे अलग–अलग हैं, आप एक डिकोडर को पहले व्यक्ति का चेहरा पुनर्प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करते हैं और दूसरे डिकोडर को दूसरे व्यक्ति का चेहरा पुनर्प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करते हैं। फेस स्वैप करने के लिए आप बस एन्कोडेड छवियों को गलत डिकोडर में फीड करें। उदाहरण के लिए व्यक्ति ए के चेहरे की एक संपीड़ित छवि व्यक्ति बी पर प्रशिक्षित डिकोडर में डाली जाती है। डिकोडर फिर चेहरे ए के भावों और अभिविन्यास के साथ व्यक्ति बी के चेहरे का पुनर्निर्माण करता है।

डीपफेक की लिंग आधारित प्रकृति

मशहूर औरत को नग्न देखने की चाह और उसका ये नतीजा बेहद खतरनाक है। पिछले कुछ वर्षों से डीपफेक का उपयोग महिलाओं को परेशान करने और डराने–धमकाने के साथ–साथ दुर्भावनापूर्ण सामग्री वाली वेबसाइटों पर ट्रैफ़िक लाने के लिए किया जा रहा है। मशहूर हस्तियों की डीपफेक अश्लील सामग्री ऑनलाइन बेची जाती है और यह एक मिलियन डॉलर का उद्योग बन गया है। साथ ही, डीपफेक का उपयोग उन व्यक्तियों को ब्लैकमेल करने और उनका शोषण करने के लिए भी किया जाता है जो लोगों की नज़र में नहीं हैं। सॉफ्टवेयर के संस्थापक मिशी चौधरी ने कहा कि एआई में विकास के साथ डीपफेक चिंता का एक बढ़ता हुआ क्षेत्र रहा है। उनका उपयोग गलत सूचना फैलाने, दुष्प्रचार करने, परेशान करने, डराने–धमकाने, अश्लील चित्र बनाने और कई अन्य तरीकों से लोगों को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है।

मंत्रालय ने कहा है कि इस तरह के कृत्य के लिए तीन साल की जेल की सजा हो सकती है और एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। मंत्रालय की ओर से जारी एडवाइजरी में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के 66डी सहित मौजूदा नियमों को दोहराते हुए कहा गया है कि कंप्यूटर संसाधन का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी करने पर 3 साल तक की कैद की सजा और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना लगेगा। आईटी मध्यस्थ नियमरू नियम 3(1)(बी)(vii) के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को भी नियमों और गोपनीयता नीति का पालन करना होगा। सोशल मीडिया कंपनियों को इस तरह के कंटेंट पोस्ट करने वाले यूजर्स को रोकना होगा। नियम 3(2)(बी) के मुताबिक किसी कंटेंट को लेकर शिकायत प्राप्त होने के 24 घंटे के भीतर उसे अपने प्लेटफॉर्म से हटाना होगा।

दिल्ली-एनसीआर कैसे हो प्रदूषण मुक्त

हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब व राजस्थान में बड़े पैमाने पर किसानों द्वारा पराली जलाने के कारण दिल्ली समेत एनसीआर कहे जाने वाले क्षेत्र के नागरिक भीषण वायु प्रदूषण की चपेट में आ गये हैं। हर साल सर्दियों के प्रारम्भ में आने वाले इस संकट से लोगों को मुक्ति कैसे मिले, इसके उपाय न तो पर्यावरण वैज्ञानिकों के पास हैं और न ही सरकारों के पास कि वे आखिर क्या करें। सम्बन्धित राज्य सरकारों की दिक्कत इसलिये बढ़ गई है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इसे लेकर बहुत सख्त हो गया है। मंगलवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान उसने दिल्ली के समीपवर्ती राज्य सरकारों से कह दिया है कि इससे उसे कोई मतलब नहीं है कि वे पराली जलाने से रोकने के लिये क्या करती हैं और क्या नहीं– कोर्ट चाहती है कि यह तत्काल रुके। उसने साफ कह दिया है कि वह लाखों नागरिकों को जहरीली हवा में सांस लेकर मरते हुए नहीं देख सकती। इसलिये इस समस्या के लिये सर्वाधिक जिम्मेदार माने जाने वाले पंजाब की सरकार की इस दलील से भी संतुष्ट नहीं है कि पिछले वर्ष के मुकाबले पराली जलाने की घटना में 40 प्रतिशत की कमी आई है। अब देखना यह है कि इस पर कुछ राजनैतिक खींच–तान, वाद–विवाद और कानूनी जिरह के बाद यह मामला अगले साल तक के लिये फिर ठंडे बस्ते में जाता है या केन्द्र व राज्य सरकारें मिलकर कोई स्थायी समाधान निकालती हैं ताकि इस क्षेत्र के नागरिक हर वर्ष तकरीबन महीने भर के लिये गैस चेंबर बन जाने वाले दिल्ली–एनसीआर में ही रहने के लिये अभिशप्त न रहें।

उल्लेखनीय है कि आसपास के हजारों किसानों द्वारा पुरानी फसल के अवशेषों को जलाने के कारण जिस बड़े पैमाने में धुआं उठता है वह स्वाभाविक रूप से ठंडे तापमान में बहुत ऊंचे आसमान में न जाकर नीचे बैठने लगता है। इसके कारण इस पूरे क्षेत्र में फैलने वाली हवा इतनी जहरीली हो जाती है कि लोगों का सांस लेना तक दूभर हो जाता है। कतिपय भौगोलिक व वैज्ञानिक कारणों से इसका घनत्व दिल्ली व एनसीआर में होता है। घनी बसाहट व वाहनों के निकलते धुएं का साथ पाकर दिल्ली सर्वाधिक प्रभावित होती है। किसी वार्षिक अनुष्ठान की तरह इस भयानक प्रदूषण पर कानूनी व सियासी विवाद शुरू हो गया है। पर्यावरणविद एमसी मेहता की 1985 में दायर एक याचिका की सुनवाई के सिलसिले में जस्टिस संजय किशन कौल व जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच में यह मामला विचाराधीन है। पिछले लगभग एक हफ्ते से दिल्ली का हर साल की तरह यही आलम होने से सुप्रीम कोर्ट ने बहुत ही सख्त रवैया अपनाया जिसका अंदाजा उनके इन शब्दों से लगाया जा सकता है जिसमें उसने कहा कि श्यदि हमने अपना बुलडोजर चलाना शुरू किया तो रुकेंगे नहीं।श चूंकि पराली की समस्या के लिये पंजाब को सर्वाधिक जिम्मेदार माना जाता रहा है, कोर्ट ने इस राज्य को लेकर बहुत कड़े तेवर अपनाते हुए कहा कि वह राजनीति बंदकर आवश्यक कार्रवाई करे। साथ ही, सभी सम्बन्धित सरकारों को एक–दूसरे पर दोषारोपण करने से बचने और अपने–अपने राज्यों में पराली जलाने पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिये। पीठ का कहना था कि पंजाब सरकार चाहे जुर्माना लगाये या प्रोत्साहन दे, उसे पराली जलाने पर रोक लगानी होगी। जब पंजाब के महाधिवक्ता ने कहा कि जुर्माना लगाना कठिन है, तो बेंच ने तंज कसते हुए कहा कि श्जुर्माना लगाना कठिन हो सकता है परन्तु दिल्लीवासियों की सेहत बिगाड़ने में कोई दिक्कत नहीं होती। शीर्ष कोर्ट को जब बताया गया कि किसानों को धान का उत्पादन न लेने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है, तो इस पर कोर्ट ने सहमति जताई कि वैकल्पिक फसलें लेना अच्छा उपाय हो सकता है। धान की फसल की बजाय अन्य फसल लेने की बात इसलिये उठती है क्योंकि धान कटाई के बाद ही इसके अवशेषों (पराली) को जलाया जाता है ताकि रबी की फसलें ली जा सकें। वैसे इस समस्या के राजनैतिक रंग लेने का एक बड़ा कारण यह है कि इसमें हरियाणा व उप्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं तो राजस्थान में कांग्रेस की। इस बार बुरे फंसे हुए हैं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जो पहले पंजाब को दोषी ठहराया करते थे परन्तु पिछले वर्ष वहां उनकी (आम आदमी पार्टी की) सरकार बन जाने से वे न तो अपनी सरकार की आलोचना कर पा रहे हैं, न ही बचाव। इसे उनकी आलोचना का सुअवसर जानकर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला कहते हैं कि श्सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश केजरीवाल के मुंह पर तमाचा है।श हालांकि आप ने कहा है कि शीर्ष कोर्ट जो भी निर्देश व सुझाव देगा, दिल्ली सरकार उनका पालन करेगी। सुनवाई के दौरान धान की जगह वैकल्पिक फसलें लेने की जो बात कही गई है, वह एक आकर्षक सुझाव तो हो सकता है लेकिन इसकी प्रक्रिया बहुत लम्बी है जिसमें कई वर्ष लग जायेंगे। कहने मात्र से किसान धान की फसलें लेना नहीं छोड़ देंगे जब तक कि उनके पास धान की बिक्री से होने वाले आर्थिक लाभ के बराबर की कमाई सुनिश्चित न हो। पंजाब में धान लेने वाले किसानों की संख्या बहुत बड़ी है इसलिये यह सुझाव भी तत्काल में अमल में लाया जाना मुश्किल है। देखना यह है कि ये सरकारें अगली सुनवाई में क्या हल लेकर आती हैं, जो शुक्रवार, 10 नवम्बर को होगीय या फिर अगले करीब एक पखवाड़े तक दिल्ली–एनसीआर के निवासियों को गैस चेंबर में ही रहना होगा। उसके बाद तो वैसे ही पराली जलनी बंद हो जाती है।

युद्ध का एक माह

इजराइल–हमास युद्ध को चलते एक महीना पूरा हो चुका है। पिछले महीने की 7 तारीख को इजराइल पर हमास के जबरदस्त हमलों ने सबको हिला कर रख दिया था। इसके बाद इजराइल ने हमास को खत्म करने का संकल्प लिया और उसने गाजा पर तीन तरफा हमला कर दिया। हमास के हमलों में इजराइल के 1400 लोगों की जान गई थी लेकिन इजराइली हमलों में 10 हजार फिलस्तीनियों की जान जा चुकी है। हमास ने जिन 240 फिलस्तीनियों को बंधक बनाया था उनमें से कुछ को रिहा किया जा चुका है लेकिन अभी भी बंधकों की रिहाई पर गतिरोध बना हुआ है। इस युद्ध के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की कुर्सी भी हिलती नजर आ रही है। इजराइल में विपक्ष और मीडिया लगातार यह सवाल पूछ रहा है कि क्या नेतन्याहू हमास हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करेंगे। हालांकि नेतन्याहू इन सब सवालों को खारिज करते आ रहे हैं और वह इस्तीफा देने से इन्कार करते आ रहे हैं लेकिन जनमत सर्वेक्षण बता रहे हैं कि इजराइल का बड़ा बहुमत उनके खिलाफ हो चुका है। रिपोर्टें बता रही हैं कि पूर्व रक्षामंत्री बेनी गैंटस को 48 फीसदी लोगों ने देश के अगले पीएम के रूप में पसंद किया है जबकि नेतन्याहू केवल 28 फीसदी लोगों की पसंद है। इजराइल में विपक्ष और नेतन्याहू की पार्टी की मिलीजुली सरकार चल रही है। वहां के संविधान के मुताबिक जब भी इजराइल युद्ध लड़ता है तो वहां विपक्ष भी वार कैबिनेट के जरिये सत्ता में आ जाता है। इस समय बेनी गैंटस इजराइल की वार कैबिनेट में शामिल हैं। नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार के कई आरोपों में मुकद्दमा चल रहा है। विपक्ष का आरोप है कि नेतन्याहू युद्ध की आड़ में अपनी खुद की कुर्सी बचाने में लगे हुए हैं और वह अपनी सत्ता को बरकरार रखने के लिए इसका पूरा सहारा ले रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र आरोप लगा रहा है कि इजराइल ने गाजा को बच्चों की कब्रगाह बना दिया है। फिलहाल युद्ध विराम या सैन्य अभियानों को अस्थायी रूप से रोकने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा। जो मुद्दे उभर कर सामने आए हैं उनमें पहला हमास द्वारा 242 बंधकों की रिहाई , दूसरा गाजा को मानवता के आधार पर राहत सामग्री देना और तीसरा युद्ध विराम कराना। इन तीन मुद्दों ने विश्व जनमत को दो समूहों में विभाजित कर दिया है। संघर्ष के एक किनारे पर 7 अक्तूबर को हमास द्वारा की गई आतंकवादी गतिविधियां हैं और दूसरी तरफ आईडीएफ का प्रतिशोध है जो गाजा में भारी विनाश, भूख और निर्दोषों की मौत के रूप में सामने आ रहा है। आज की तारीख में कोई भी राष्ट्र इस युद्ध में तटस्थ होने का दिखावा नहीं कर सकता। इजराइल और हमास दोनों की रणनीतियां इस गंभीर समस्या को और अत्यधिक जटिल बनाकर विश्व शांति के लिए खतरा बढ़ाने का काम कर रहीं।

हमास के लिए 'करो या मरो' की स्थिति है। इसलिए उनके पास शुरू से ही स्पष्ट रणनीति रही है लेकिन इस रणनीति का अधिकांश हिस्सा रहस्य में डूबा हुआ है। कभी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन इजराइल पहुंच जाते हैं तो कभी अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन तेल अवीव पहुंच जाते हैं लेकिन युद्ध विराम का मार्ग नहीं ढूंढा जा सका है। इजराइल ने गाजा शहर को पूरी तरह से घेर लिया है। ऐसा लगता है कि वह गाजा पट्टी को दो हिस्सों में विभाजित करना चाहता है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने छुपकर वेस्ट बैंक में अलफतेह मुख्यालय का दौरा किया था। इसके व्यापक राजनीतिक संकेत हैं। इजराइल गाजा शहर में हमास के नागरिक प्रशासनिक नियंत्रण और युद्ध क्षमता को पूरी तरह से नष्ट करने पर ध्यान केन्द्रित करेगा। यद्यपि युद्ध में हमास को अधिक नुक्सान होने की खबरें आ रही हैं लेकिन नुक्सान तो इजराइल का भी हो रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसा माहौल सृजत हो रहा है कि नेतन्याहू जाने वाले हैं। अमेरिका को भी यह लगता है कि नेतन्याहू के अधिक समय तक इजराइल का प्रधानमंत्री बने रहने की सम्भावना नहीं है। इसलिए वह सीधे युद्ध में उलझना नहीं चाहता। इजराइल–हमास युद्ध बढ़ने के साथ अमेरिका के भी एक बड़े संघर्ष में शामिल होने का जोखिम है। मिडिल ईस्ट यानी मध्य पूर्व वह क्षेत्र है जहां पर करीब 45000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। ऐसे में अगर अमेरिका इस जंग में शामिल हुआ तो स्थिति काफी उलझ सकती है। तुर्की में 1885 अमेरिका सैनिक, इराक में 2500, सीरिया में 900, जॉर्डन में 2936, कुवैत में 13500, सऊदी अरब में 2700, बहरीन में 9000, कतर में 8000, यूएई में 3500 और कुछ अमेरिकी सैनिक ओमान में मौजूद हैं। इजराइल में कितने अमेरिकी सैनिक हैं इस बारे में कोई जानकारी नहीं है लेकिन यहां पर कम से कम एक अमेरिकी सैन्य अड्डा तो है। बहरीन में एक अमेरिकी नौसेनिक अड्डा है जो नौसेना के सेंट्रल कमांड और अमेरिकी पांचवें बेड़े का मुख्यालय है। दुनिया देख रही है कि इजराइल अमेरिका की सहायता से अब अपनी हदें पार कर रहा है और जो कुछ हो रहा है वह अमानवीय है। अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर लोगों को भोजन, दवा से वंचित किया जा रहा है। देखना होगा कि वैश्विक शक्तियां युद्ध रोकने में क्या रुख अपनाती हैं।

जिंदगी के भावी जोखिम

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस यानी आईईपी की हालिया रिपोर्ट गंभीर चिंता का विषय है। रिपोर्ट में व्यापक अध्ययन के बाद कहा गया है कि पांचवें दशक तक दुनिया के 2.8 अरब लोगों को पारिस्थितिकी खतरे वाले क्षेत्रों में रहना पड़ेगा। यद्यपि मौजूदा समय में भी 1.8 अरब लोग गंभीर पारिस्थितिकी खतरों से जूझ रहे हैं। दरअसल, आईईपी ने 221 देशों और 3594 उप–राष्ट्रीय क्षेत्रों में विभाजित स्वतंत्र क्षेत्रों को अपने अध्ययन में शामिल किया है, जहां दुनिया की 99.99 प्रतिशत आबादी निवास करती है। इसमें से करीब 66 देशों को कम से कम एक गंभीर पारिस्थितिकी खतरे का फिलहाल सामना करना पड़ रहा है। इसमें तीन देश हॉटस्पॉट बनने से उनका अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया। दरअसल, जल, वायु, ध्वनि व मिट्टी प्रदूषण के अलावा खाद्य आपूर्ति शृंखला का बाधित होना, जनसंख्या वृद्धि तथा प्रतिकूल कुदरती परिस्थितियों के कारण होने वाला विस्थापन आदि पारिस्थितिकी संकट के मूल में हैं। पर्यावरण की दिन–प्रतिदिन खराब होती स्थिति ने इस संकट को बढ़ाया ही है। इसी के चलते आशंका व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2050 तक 2.8 अरब से अधिक लोग संकटग्रस्त इलाकों में रहने को बाध्य होंगे। मौजूदा हालात इतने खराब होते जा रहे हैं कि गंभीर संकट से जूझते देशों की संख्या बीते साल तीन से बढ़कर तीस हो गई है। इतना ही नहीं, गंभीर परिस्थितियों के चलते तीन देश पारिस्थितिकी संकट के चलते हॉटस्पॉट बनकर उभरे हैं और उनका अस्तित्व ही संकट में पड़ता नजर आ रहा है। इन तीन देशों में हमारा पड़ोसी म्यांमार व नाइजर तथा इथियोपिया सम्मिलित हैं। इन देशों में आंतरिक अशांति व अकुशल शासनतंत्र के चलते पर्यावरणीय चिंताएं हाशिये पर चली जाती हैं, जिसके चलते मानवीय त्रासदी लगातार भयावह होती जा रही है। मौसम की तल्खी के चलते जहां फसलों के उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ा है, वहीं बाढ़ व भूस्खलन जैसी आपदाओं ने संकट को और गहरा किया है। गरीबी व आंतरिक अशांति ने इस संकट को अधिक बढ़ाया है। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग से उपजे गहरे संकट ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। कमोबेश, भारत भी ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से अछूता नहीं है। पिछले दिनों में अतिवृष्टि, बाढ़ व सूखे के मंजर भारत में नजर आए हैं। यही वजह है कि असामान्य बारिश व सूखे की मार के चलते देश के कई राज्य खाद्य असुरक्षा की श्रेणी में आ गये हैं। वैसे तो यह पूरे दक्षिण एशिया का संकट है, जो तीसरा बड़ी आबादी वाला क्षेत्र भी है। अनुमान है कि यहां 17.5 करोड़ आबादी भारी खाद्य असुरक्षा वाले क्षेत्रों में रहती है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि सरकारों व अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने यदि समय रहते इस दिशा में प्रयास नहीं किये तो वर्ष 2050 तक इन क्षेत्रों की खाद्य असुरक्षा वाली आबादी की संख्या इक्कीस करोड़ से अधिक हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि देश में खाद्य असुरक्षा वाले इलाकों में पूर्वी और दक्षिण पूर्वी उत्तर प्रदेश का कुछ भाग, बिहार, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के कुछ इलाके शामिल हैं। साथ ही पश्चिमी भारत के कुछ इलाकों में संकट बना रह सकता है। पर्यावरण मामलों के जानकार बता रहे हैं कि इस संकट के मूल में अनियंत्रित शहरीकरण भी है। दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के तमाम इलाके जिस तरह प्रदूषण की चपेट में हैं, उससे इस संकट का अहसास किया जा सकता है। विडंबना देखिये कि हमारी दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित बीस शहरों में नौ भारत के हैं। दरअसल, ये वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, पेयजल संकट व अंधाधुंध शहरीकरण की ही देन है। इससे हमारे पारिस्थितिकीय संतुलन पर भारी प्रतिकूल असर पड़ा है। इसी तरह पानी से जुड़ा संकट भी लगातार गहरा होता जा रहा है। जीवनदायिनी नदियां जहरीली होती जा रही हैं। कमोबेश यह संकट पूरी दुनिया का है। अभी भी विश्व में दो अरब लोग ऐसे इलाकों में रहते हैं जहां स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल आपूर्ति अभी स्वप्न जैसा है। खासकर पेयजल के मामले में मध्यपूर्व तथा उत्तरी अफ्रीका में यह संकट बड़ा है।

UP में भाजपा का कमंडल 2.0, हिन्दुत्व की पिच पर हो रही है मिशन 2024 की तैयारी

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार दो नावों की सवारी कर रही है। एक तरफ वह प्रदेश में विकास के साथ कानून व्यवस्था मजबूत करने में लगी है तो दूसरी ओर हिन्दुत्व को भी धार दे रही है। योगी सरकार के तमाम फैसले इस बात के संकेत हैं कि योगी सरकार द्वारा अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए यूपी में हिन्दुत्व की बिसात बिछाई जा रही है। अयोध्या में रामलला के जन्म स्थान पर मंदिर निर्माण को जहां बढ़–चढ़कर ढिंढोरा पीटा जा रहा है तो अयोध्या में योगी कैबिनेट की बैठक भी इसी का एक हिस्सा है।

लोकसभा चुनाव 2024 के मिशन को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी अपने धार्मिक एजेंडे को सेट करने में तेजी से लग गई है। इसी कारण योगी सरकार अयोध्या में दीपोत्सव के साथ 9 नवंबर को अपनी कैबिनेट मीटिंग आयोजित की। राजनीतिक जानकर बताते हैं कि भाजपा सरकार मिशन 2024 को साधने के लिए धर्म, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद व विकास पर तेजी से काम कर रही है। 11 नवंबर को अयोध्या में भव्य दीपोत्सव से पहले 9 नवंबर को योगी सरकार की पूरी कैबिनेट यहां बैठेगी। यहां की बैठक के लिए ऐसे प्रस्तावों को चुना गया है, जो धर्म व संस्कृति से जुड़े हुए हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर में होने वाले रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले अयोध्या में कैबिनेट बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कैबिनेट बैठक में अयोध्या से जुड़े कुछ अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी चर्चा हो सकती है।

राजनीतिक विश्लेषक प्रसून कहते हैं कि मुख्यमंत्री द्वारा अयोध्या में कैबिनेट बैठक धार्मिक और राष्ट्रवाद के मुद्दे को धार देने के रूप में देखा जा रहा है। सरकार हर बड़े इवेंट को महत्वपूर्ण बनाने के लिए ऐसे कार्यक्रम करती हैं, जिससे संदेश भी जाए। इससे पहले 29 जनवरी 2019 को कुंभ मेला के दौरान सभी कैबिनेट मंत्रियों ने गंगा में डुबकी लगाई थी। इसके बाद बैठक की थी। 2017 में सरकार बनने के बाद भाजपा सरकार के शीर्ष एजेंडे में अयोध्या ही रहा है। सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में भी राजधानी के बाहर एक बार कैबिनेट बैठक की थी। कहते हैं कि योगी सरकार 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा को पहले ऐसा माहौल बनाना चाहती है जिसके दूरगामी संदेश हों, और इसका फायदा बीजेपी को लोकसभा चुनाव में भी मिले।

सूत्र बताते हैं कि बीजेपी, योगी सरकार और आरएसएस के बीच इस बात को लेकर हमेशा मेल–मुलाकात होती रहती है कि किस तरह से हिन्दुत्व की अलख को जलाये रखा जाये। बीजेपी यूपी में लोकसभा में सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य तय कर चुकी है और कैसे अपनी मंज़िल तक पहुंचा जाये, इसके लिए हिंदुत्व से लेकर धर्मांतरण तक तमाम ज्वलंत मुद्दों पर पार्टी के भीतर बात होती रहती है। लेकिन, सबसे अहम है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीति और रणनीति जिस पर संघ को भी भरोसा है। सूत्रों के हवाले से ख़बर है कि मुख्यमंत्री योगी के कामकाज से संघ खुश है।

सूत्रों के हवाले से ख़बर है कि क़ानून व्यवस्था के मोर्चे पर संघ योगी सरकार से संतुष्ट है। यानी क़ानून व्यवस्था को लेकर जिस तरह के कई सख्त फ़ैसले सरकार ने लिए हैं, उससे संघ सहमत है। प्रदेश में क़ानून व्यवस्था को लेकर जनता के बीच जो संदेश है, उसे लेकर संघ के पास सकारात्मक फीडबैक है। सूत्रों का दावा है कि संघ ने इतने बड़े सूबे में क़ानून का राज स्थापित करने के लिए गए योगी सरकार के कई फ़ैसलों को सही ठहराया है। संघ ने क़ानून व्यवस्था को लेकर जो पैमाना तय किया था, वो जनहित में सरकार के प्रति स्वीकार्यता है। संघ ने माना कि योगी सरकार में क़ानून व्यवस्था को लेकर जनता के बीच भरोसे का भाव है। इसलिए इसे और बेहतर बनाने पर चर्चा हुई। साथ ही इस दिशा में खुलकर फ़ैसले लेने पर सहमति जताई गई। ख़बर यह भी है कि बंद कमरे के भीतर हिंदुत्ववादी मुद्दों पर मुख्यमंत्री योगी के मुखर और प्रखर अंदाज़ की संघ भी सराहना करता है। 2017 के बाद से लगातार सीएम योगी को देश के कई राज्यों में हिंदुत्व का पोस्टर ब्वॉय बनाकर प्रचारित किया जा रहा है। संघ को मुख्यमंत्री योगी की ये छवि निखरती नज़र आ रही है। इसी क्रम में अयोध्या में भव्य राम मंदिर से जुड़ी तैयारियों और वहां होने वाले आयोजनों को लेकर कुछ विशेष बातें निकट भविष्य में तय हो सकती हैं। सूत्रों का दावा है कि हिंदुत्ववादी मोर्चे पर सीएम योगी को आगे बढ़ने के लिए ग्रीन सिग्नल मिल गया है। यानी रैलियों, जनसभाओं और जनहित के हर मंच से साफ संदेश जाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी अपने बयानों से लेकर ट्वीट तक बहुत स्पष्ट तरीक़े से अपनी बात एक बड़े संदेश के साथ पहुंचाते रहे हैं। उनकी हिंदुत्ववादी छवि को लेकर किसी तरह का कोई कन्फ़्यूज़न नहीं है, इसीलिए संघ ने इस मोर्चे पर एक तरह से सीएम योगी की पीठ थपथपाई है।

मेडिकल कॉलेज में मिली महिला की न्यूड डेडबॉडी,पति बोला–पत्नी के साथ गलत हुआ

बांदा,(यूएनएस)। बांदा मेडिकल कॉलेज के नाले में एक महिला की न्यूड बॉडी मिली है। शव औंधे–मुंह पड़ा था। महिला ने 3 नवंबर को मेडिकल कॉलेज में बच्ची को जन्म दिया था। 1 दिन पहले यानी 8 नवंबर को महिला अचानक गायब हो गई थी। इसके बाद घरवालों ने हॉस्पिटल स्टाफ को सूचना दी। फिर पुलिस बुलाई। पुलिस ने CCTV चेक किया। इसमें महिला हॉस्पिटल से जाती हुई दिखाई दी। इसके बाद पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर महिला की तलाश में जुटी थी। गुरुवार को अस्पताल कर्मियों ने शव देखा, तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच–पड़ताल की। फिर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने हत्या की आशंका जताई जा रही है।

महिला पंचवटी अतर्रा तहसील के अनथुवा गांव की रहने वाली थी। 3 नवंबर को पंचवटी को प्रसव पीड़ा हुई। इसके बाद परिजन उसे रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज लेकर आए। यहां ऑपरेशन के जरिए डिलीवरी हुई। उसने एक बच्ची को जन्म दिया। इसके बाद महिला मेडिकल कॉलेज में ही भर्ती थी। उसका इलाज चल रहा था। 8 नवंबर यानी बुधवार सुबह पंचवटी अचानक अपनी नवजात बच्ची को छोड़कर कहीं चली गई। उसके साथ उसकी भाभी थीं। जब वह जागीं, तो उन्होंने पंचवटी को नहीं देखा। इसके बाद उसे तलाशना शुरू कर दिया।

काफी देर तक ढूंढने के बाद भी जब पंचवटी नहीं मिली, तो अन्य परिजनों और मेडिकल स्टाफ को सूचना दी। इसके बाद पुलिस बुलाई गई। पुलिस के अधिकारियों ने स्टाफ और परिजनों से पूछताछ की। इसके बाद पुलिस ने अस्पताल की सीसीटीवी चेक किया गया। इसमें महिला को सुबह 5.42 बजे अस्पताल के मुख्य दरवाजे से बाहर जाती दिखाई दी।

इसके बाद परिजन और पुलिस महिला की तलाश कर रहे थे। लापता होने के करीब 24 घंटे बाद यानी गुरुवार सुबह महिला का शव मेडिकल कॉलेज में ही सर्जरी डिपार्टमेंट के पीछे झाड़ियों के पास नाले में पड़ा मिला। अस्पताल के कर्मचारियों ने बॉडी देखी, तो अपने अफसरों को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस बुलाई गई। सूचना पर पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। महिला की बॉडी को बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस टीम ने झाड़ियों में भी खोज बीन की। हालांकि, अभी पुलिस को मौके से कोई सबूत नहीं मिले हैं। फिलहाल, पुलिस परिजनों और अस्पताल स्टाफ से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला क्लियर होगा।

महिला के पति ने राम सेवक विश्वकर्मा ने बताया कि अस्पताल में चौथे दिन पत्नी की तबीयत बिगड़ी। इसके बाद डॉक्टर को बुलाया गया। पता चला कि बीपी हाई है। दवा दी गई तो आराम मिल गया। इसके बाद पत्नी लापता हो गई। इसके बाद झाड़ियों में उसकी डेडबॉडी मिली है। मुझे किसी बड़ी अनहोनी की आशंका है। मेरी बीवी के साथ कुछ न कुछ गलत हुआ है। अपर पुलिस अधीक्षक लक्ष्मी निवास मिश्र ने बताया, महिला का अस्पताल परिसर में शव मिला है। उसकी तीन तारीख को डिलीवरी हुई थी। कल से वह लापता थी। सीसीटीवी में वह अकेले जाते हुए दिखाई दी। महिला के शव का डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। इसकी वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। परिजनों के आरोप के आधार पर जांच की जा रही है, उसी आधार पर कार्रवाई होगी।

पुलिस अधिकारियों ने पटाखा व्यापारियों के साथ की बैठक,

टीन शेड की दुकानें बनाने, तीन मीटर की दूरी का ख्याल रखने के दिए निर्देश

बांदा। जिले में दीपावली को देखते हुए सीओ के नेतृत्व में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने लाइसेंसी पटाखा व्यापारियों को बुलाकर बैठक की। उन्हें मानक के अनुसार पटाखा की बिक्री की सलाह दी। इसके बाद पटाखा मार्केट ग्राउंड का निरीक्षण किया। बता दें कि बबेरू कस्बे में दीपावली पर पटाखा दुकानों को लेकर जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल व पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर बबेरू सीओ राकेश कुमार सिंह एवं फायर ब्रिगेड के सीओ मुकेश कुमार के नेतृत्व में लाइसेंस धारक पटाखा व्यापारियों की बैठक की गई है। पटाखा व्यापारियों को निर्देशित किया गया की टीन शेड की दुकानें बनाएं, सभी दुकानों के बीच में तीन मीटर की दूरी होनी चाहिए। बच्चों व बूढ़ों को दुकानों में ना बैठाएं। पटाखे का स्टॉक अपने रिहायशी मकानों पर ना रखें। पटाखों के आस–पास कटे–फटे बिजली के तार ना हों। दुकानों पर ड्रम में पानी–बालू फायर ब्रिगेड सिलेंडर आदि की पर्याप्त व्यवस्था रखें, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके। बैठक के बाद गल्ला मंडी के पीछे ग्राउंड पर पटाखा मार्केट दुकानों की तैयारियों का निरीक्षण किया। व्यापारियों को शासन द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार दुकान लगाने के निर्देश दिए।

गौकशी करने वालों पर कार्रवाई की मांग, विश्व हिंदू महासंघ ने जताई नाराजगी

बस्ती। जिले में विश्व हिंदू महासंघ अध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में संगठन से जुड़े लोगों ने डीएम से मुलाकात की और प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में सबसे ज्यादा गोकशी का मामला बस्ती जनपद से आ रहा है। इसका मुख्य कारण है कि गो–हत्यारों पर पुलिस प्रशासन की ओर से कठोर कार्रवाई नहीं किया जा रहा है। आरोप लगाते हुए कहते हैं कि अपराधियों की साजिश में होने के कारण पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, बल्कि परोक्ष रूप से गोकशी को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में सोनहा थाना के गांव गदापुर चक में गोकशी के बाद स्थानीय पुलिस ने गो–हत्यारों को बचाने में पूरी ताकत लगाकर गो–हत्यारों को बचाने का कार्य किया, जिससे गो–हत्यारों का हौसला बढ़ा है। कहा कि इसी प्रकार परसुरामपुर थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव में गोकशी करते हुए गोहत्यारों का वीडियो वायरल होने के बाद भी गोवंशों की हत्यारों पर कोई मुकदमा आज तक दर्ज नहीं किया गया, सिर्फ आश्वासन ही दिया गया, जबकि जगन्नाथपुर में बराबर गोकशी हो रही है। अखिलेश ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि गोहत्या का वीडियो क्लिप पुलिस प्रशासन को दिया गया था। कहा कि स्थानीय पुलिस हत्यारों के साथ खड़ी है। गो–हत्यारों के बढ़ते मनोबल के फलस्वरूप बुधवार रात दुबौलिया थाना क्षेत्र के दशरथपुर माझा गांव में गोकशी की गई। स्थिति को देखते हुए ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बस्ती जनपद के कुछ पुलिस कर्मी और अधिकारी जानबूझकर शासन की मंशा व योगी जी महाराज की छवि धूमिल करने में लगे हैं, जिसे विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारी कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। ज्ञापन सौंपते समय जिलाध्यक्ष ने कहा कि सोनहा थाना क्षेत्र के ग्राम गदापुर चक में पूर्व में हुई गोकशी के अपराधियों को बचाने में संलिप्त पुलिस कर्मियों व गो हत्या में संलिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई करने के साथ ही परसुरामपुर थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर व दुबौलिया में हुई गोकशी की घटना में मुकदमा दर्ज कर अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। गोकशी को लेकर ज्ञापन सौंपते समय प्रदेश मंत्री दिग्विजय सिंह राना, प्रदेश मंत्री अधिवक्ता प्रकोष्ठ कुलदीप मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष विष्णु सिंह, राजकुमार, मंटू चौधरी, चंद्रेश पाठक, सौरभ तिवारी, मुन्ना सिंह, महेश हिंदुस्तानी, जगत मोहन सिंह बिक्कु, जयप्रकाश दास, अमरजीत सिंह, बिंदु गोपाल त्रिपाठी, राकेश सिंह, डॉ परशुराम साहनी, ठाकुर उपेंद्र सिंह, प्रिंस पटेल, अमित चौधरी, संदीप मिश्रा, विकास सिंह, अंशु सिंह, प्रहलाद सिंह आदि मौजूद रहे। मामले को लेकर जब एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि जांच की जा रही है, दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

एसओ की शिकायत लेकर पहुंचा पुलिस कर्मी एसपी ऑफिस

बोला, कच्ची शराब बनाने वालों को पकड़ा, लेकिन एसओ ने मुझे फटकरा

बस्ती। जिले में उस समय हैरान करने वाला वाकया सामने आया, जब एक पुलिस कर्मी अपने एसओ की शिकायत लेकर एसपी ऑफिस पहुंचा। उसका कहना था मुखबिर की सूचना पर उसने अवैध शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और थाने पर लाया। बताया कि उसने फर्द लिखी तो हेड मोहर्रिर ने जमानतदार के बगैर मुकदमा न लिखने के लिए कहा। कहा कि रातभर मुल्जिम को थाने पर बैठाकर हेड मोहर्रिर जमानतदार का इंतजार करते रहे। मामला छावनी थाने का है, यहां तैनात कांस्टेबल शिवकेश कुमार ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि सात नवंबर को उसने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर एक व्यक्ति को 5.5 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ पकड़ा था। जब उसने फर्द लिखकर कार्यालय में दिया, तो हेड मोहर्रिर ने जमानतदार के बगैर मुकदमा न लिखने की बात कही। कहा कि रातभर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को थाने पर बैठाकर हेड मोहर्रिर जमानतदार का इंतजार करते रहे। कहा कि बुधवार को जब एसओ से इस संबंध में पूछा कि इसमें मुकदमा क्यों नहीं लिखा गया है, तो उन्होने मुझे बुराभला कहा। प्रकरण को लेकर जब आरोपी एसओ छावनी नारायण लाल श्रीवास्तव से बात की गई, तो उन्होने कहा कि मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है। वहीं जब अपर पुलिस अधीक्षक दीपेंद्र चौधरी से बात की गई, तो उन्होने कहा कि मामला संज्ञान में नहीं था, विधिक कार्रवाई की जाएगी। मामले को लेकर जब शिकायतकर्ता कांस्टेबल शिवकेश कुमार से बात की गई, तो उन्होने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया। कहते हैं कि मुझे इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं करनी है।

यूपी डायल 112 की महिला कर्मियों के समर्थन में उतरा रालोद

महिला हितैषी होने का दिखावा करती है बीजेपी : दुबे

लखनऊ। रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने आज वेतन बढ़ोतरी सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर इको गार्डन में चल रहे यूपी डायल 112 महिला कर्मियों के धरने में पहुंचकर उनकी मांगों का समर्थन किया। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह के निर्देश पर धरने पर पहुंचे श्री दुबे ने महिला कर्मियों की मांगो का समर्थन करते हुए धरना दिया। धरने पर बैठी महिला कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डायल 112 महिला कर्मचारियों के धरने को कुचलने के लिए सरकार ने महिला कर्मियों पर दो–दो केस दर्ज कराकर सरकार ने संवेदन शून्यता की सारी सीमा रेखा पार कर दी।उन्होंने कहा कि पुलिस तंत्र को मजबूत करने के लिए कार्यरत महिला कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का सरकार षडयंत्र कर रही है जो निंदनीय और असहनीय है। ठंड के मौसम में महिला कर्मचारी इको गार्डन में धरने पर बैठी हैं और सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। उन्होंने भाजपा के महिला हितैषी होने को दिखावा बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार नौजवानों और महिलाओं को रोजगार मांगने पर पुलिस से पिटवाकर अपमानित करने का काम कर रही है। डायल 112 की सेवा का भी रेलवे व एयरपोर्ट की तरह निजीकरण कर दिया गया जो कि गलत है इको गार्डन में धरना दे रही महिला कर्मियों को भरोसा दिलाते हुए श्री दुबे ने कहा कि उनकी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रीय लोकदल और राष्ट्रीय लोकदल का नेतृत्व सदैव उनके साथ खड़ा है और पांच सूत्रीय मांगे जिनमें वेतन बढ़ोतरी, आकस्मिक अवकाश, साप्ताहिक अवकाश, मातृत्व अवकाश, स्थाई नौकरी, व महिला कर्मियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग सरकार ने नहीं मानी तो महिला कर्मचारियों का मुद्दा देश की राज्यसभा में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह उठायेंगे।

वाराणसी में दीपावली को लेकर बाजार सज–धजकर तैयार

वाराणसी। महादेव की नगरी काशी में दीपावली की रौनक बाजारों में दिखने लगी है। दीवाली के चलते इन दिनों बाजार गुलजार नजर आ रहे हैं। हर तरफ रंग–बिरंगी मालाएं, मिट्टी से बनी मूर्तियां, साज–सज्जा का सामान, खील–बताशे, मिट्टी के दीए,बर्तन व कई अन्य आकर्षक चीजें देखने को मिल रही हैं। धनतेरस का त्योहार 10 नवम्बर को मनाया जाएगा। बर्तन कारोबारियों ने वाराणसी का दीपावली बाजार सज–धजकर है तैयारबड़े शहरों से मार्केट करके कीचन में प्रयोग होने वाली तमाम सामानों को मंगाकर दुकानों को सजा दिया है। धनतेरस में कारोबारियों को ग्राहकों की भीड़ बढ़ने की उम्मीद है। इसको लेकर वेराइटी पर फोकस किया जा रहा है। धनतेरस के त्योहार को लेकर शहर के विभिन्न चौराहों पर बाजारों में रौनक देखने को मिल रहा हैं। दीपावली में घर के सजावट से लेकर बर्तनों का दुकान लगा हैं। धनतेरस में कढ़ाई, कुकर आदि सामानों की मांग अधिक होती है। ऐसे में एलमुनियम का भगौना, फ्राईपीन, कढ़ाई, बाल्टी, जग आदि सामानों को मंगा लिया है। दुकानों पर ग्राहकों को संभालने में परिवार के अलावा दो बाहरी व्यक्तिओं को लगाया जाएगा। बाजार में मेड इन इंडिया का जलवा है। पिछले कई सालों से दीवाली पर देवी–देवताओं की मूर्तियों के बाजार में चीन का कब्जा था। अब अपने देश में बनी मूर्तियां ज्यादा दिखाई दे रही हैं। बाजार में 50 रूपये से लेकर 500 रूपये तक की मूर्तियां मिल रही हैं। दुकानदारों ने कहा कि इस बार बाजार में काफी रौनक देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि रेशमी कपड़े, कुंदन और नग वाले गहनों से सजी मूर्तियां लोग काफी पसंद कर रहे हैं। बर्तन की दुकान लगाने वाले संजय कुमार सोनकर ने बताया कि लोग किचन से संबंधित कई प्रकार के बर्तन खरीद रहे हैं। सबसे ज्यादा लोग दिया वाली थाली खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन मार्केट के चलते लोग काफी कम आ रहे हैं। लेकिन हमें उम्मीद है कि कल से मार्केट में रौनक देखने को मिलेगी। दीपावली से संबंधित सामग्रियों की दुकान लगाने वाले बाबू सोनकर बताते हैं कि कोलकाता से हम लोगों ने मूर्तियां मंगाई है। ड्रेस वाली मूर्तियां लोग काफी ज्यादा खरीद रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमारे दुकान पर 50 रूपये से लेकर 500 रूपये तक की मूर्तियां है। मिट्टी के दीपू की दुकान लगाने वाली गीत ने बताया कि लोग मिट्टी के दीप काफी ज्यादा खरीद रहे हैं। 100 रूपये में 80 दीप भेज रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने एक दिन पहले दुकान लगाई थी। एक दिन में 1 से 2 हजार दीप बिक जा रहा हैं।

दीपावली से जुड़े सामानों को खरीदने के लिए बाजार में पहुंची बीएचयू की छात्रा नीलम ने बताया कि हम लोग दीपावली की छुट्टी में घर जा रहे हैं। इससे पहले इसकी खरीदारी कर रहे हैं। घर को सजाने के लिए रंगोली और रंग–बिरंगे दीप खरीद रहे हैं।

विद्युत सखियों को साड़ी देने का मसौदा तैयार

समूहों से समृद्धि की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश

ग्राम्य विकास के कार्यो में सुनिश्चित की जाये पारदर्शिता, सहभागिता व जवाबदेही

गांव-गरीब के विकास कार्य धरातल पर नजर आने चाहिये : केशव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कि ग्राम्य विकास के कार्यों में पारदर्शिता सहभागिता व जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गांव–गरीब के विकास के कार्य धरातल पर स्पष्ट रूप से नजर आने चाहिए। केशव प्रसाद मौर्य ने स्वयं सहायता समूहों की उपयोगिता, महत्व और महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समूहों के माध्यम से उत्तर प्रदेश समृद्धि के रास्ते पर अग्रसर है। ग्रामीण आजीविका मिशन इस दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। श्री मौर्य अपने कैंप कार्यालय सात कालिदास मार्ग पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में ग्राम्य विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।उन्होंने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मनरेगा में मानव दिवस सृजन की संख्या को बढ़ाया जाए ,इसके लिए होमवर्क करते हुए डिटेल स्टडी रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मनरेगा मजदूरों का अवशेष भुगतान दिवाली से पहले अनिवार्य रूप से कर दिया जाए। बताया कि मनरेगा में महिला सहभागिता 43 परसेंट है ,जो गत वर्षो में सबसे अधिक है। कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में महिला मेट चयन नहीं हुआ है वहां पर महिला मेट का चयन अनिवार्य रूप से किया जाय। प्रत्येक ग्राम पंचायत में दो अमृत सरोवरो का चिन्हांकन अभियान चलाकर पूरा किया जाए तथा उन्हें डेवलपमेंट करने की कार्यवाही टाइमलाइन बनाकर की जाए। बताया गया कि अमृत सरोवरो के निर्माण में उत्तर प्रदेश देश में पहले पायदान पर है, हरियाणा दूसरे व मध्यप्रदेश तीसरे स्थान पर है। उन्होंने मनरेगा मजदूरों का भुगतान बी सी सखियों के माध्यम से कराए जाने के निर्देश दिए। मनरेगा कन्वर्जेंस से हाईटेक नर्सरी के कार्यों में तेजी लाने की निर्देश दिए। मनरेगा श्रमिकों का पारिश्रमिक बढ़ाये जाने हेतु तथ्यों व परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए केन्द्र सरकार से पत्राचार किया जाए। उन्होंने मनरेगा कन्वर्जेंस के कार्यों में तेजी लाने तथा जिन विभागों में मनरेगा कन्वर्जेंस से कराए जा रहे हैं ,उनके उच्च अधिकारियों की बैठक करने के निर्देश दिए। ग्राम्य विकास विभाग के खाली पदों को भरा जाए। ग्राम्य विकास संस्थान, व ग्राम्य विकास संस्थान के फील्ड के कार्यालयों, ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्राम्य विकास विभाग मनरेगा, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग व यू पी ,आर आर डी ए में सभी तरह के विभिन्न श्रेणियों के कई हजार पदों को भरा जाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि गांवो में जल निकासी के कार्यों को प्राथमिकता दी जाए, कहीं भी जल भराव नहीं होना चाहिए।ग्राम्य विकास विभाग की वेबसाइट को अपडेट किया जाए।कहा कि विभाग की सोशल मीडिया की पोस्ट को मुख्यमंत्री को , उप मुख्यमंत्री व राज्य मंत्री ग्राम्य विकास आदि को अनिवार्य रूप से टैग किया जाए। मुख्यमंत्री गैस बोर्ड पर वांक्षित सूचनाओं को लगातार ससमय अपलोड किया जाता रहे।उन्होंने मनरेगा कॉल सेंटर के कार्यों की मानीटरिंग करने तथा काल सेन्टर की रिपोर्ट प्रस्तुत करने की निर्देश दिए। ग्राम्य विकास संस्थान के कार्यों की भी उन्होंने समीक्षा की। बताया गया की 1लाख 11हजार से अधिक प्रतिभागियों को इस वर्ष प्रशिक्षित किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा में बताया गया कि प्रदेश में अब तक 36.15 लाख आवास आवंटित किए गए हैं जो 90प्रतिशत से अधिक पूर्ण हो गये है और 41805.05 करोड़ व्यय किये जा चुके हैं। सीएम आवास योजना–ग्रामीण की समीक्षा में बताया गया कि मुख्यमंत्री आवास योजना–ग्रामीण में दिव्यांगजनो को प्राथमिकता श्रेणी में रखा गया, परिणामस्वरूप 71257दिव्यागो को मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण में आवास दिए गए हैं। सीएम आवास योजना ग्रामीण में बंजारा जाति को प्राथमिकता श्रेणी में शामिल करने की कार्यवाही करने के उन्होंने निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रमुख घटकों लक्ष्य व प्रगति की भी समीक्षा की। आवास योजना के लाभार्थियों को समूहों से जोड़े जाने के निर्देश दिए। उन्होंने आजीविका मिशन में पेमेंट की प्रक्रिया के सरलीकरण पर जोर दिया और कहा कि बैंकर्स के साथ बैठक की जाए। उन्होंने लखपति महिला योजना के लक्ष्य को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बी सी सखियों की भांति विद्युत सखियों को भी साड़ियां देने का प्रावधान किया जाने के लिए रूपरेखा बनाई जाए। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायत में बी सी सखियों का चयन नहीं हुआ है वहां पर चयन पूरा किया जाए। कहा कि समूहों के गठन में तेजी लाई जाय, समूहों से महिला स्वावलंबन व सशक्तीकरण को बल मिल रहा है। उन्होंने ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, फूड प्रोसेसिंग डिपार्मेंट की समीक्षा की। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव, ग्राम्य विकास विभाग श्री हिमांशु कुमार, महानिदेशक राज्य ग्राम्य विकास संस्थान राजेश कुमार सिंह, ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक दीपा रंजन, यूपीआरआरडीए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुखलाल भारती, विशेष सचिव ग्राम्य विकास राजेंद्र सिंह, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के निदेशक वीरपाल राजपूत, एसआईआरडी के अपर निदेशक बीडी चौधरी, संयुक्त निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जन्मेजय शुक्ला, अधीक्षण अभियंता आरईडी, ईशम सिंह सहितअधिकारी मौजूद रहे।

जालौन में नगर पंचायत कार्यालय में गोवंशों को किया बंद

गौशाला न बनने से नाराज किसानों ने किया प्रदर्शन,अध्यक्ष ने आश्वासन देकर पशुओं को निकाला

उरई/जालौन। जालौन में एट नगर पंचायत में गौशाला न होने के कारण अन्ना मवेशियों से परेशान किसानों ने गुरुवार को एट नगर पंचायत कार्यालय में गोवंशों को बंद कर प्रदर्शन किया। गोवंशों को कार्यालय में बंद देख कार्यालय में हड़कंप मच गया। अन्ना मवेशियों के नगर पंचायत कार्यालय में बंद होने की जानकारी जैसे ही अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी को मिली, मौके पर पहुंचे और उन्होंने किसानों को समझाने के बाद उन्हें जल्द से जल्द गौशाला बनवाने का आश्वासन देकर गोवंशों को बाहर निकाला, तब कहीं जाकर कार्यालय में काम शुरू हो सका। मामला एट नगर पंचायत कार्यालय का है। जहां गौशाला न होने के कारण नगर में अन्ना मवेशी विचरण कर रहे हैं, जिससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। इसी को देखते हुए आज किसानों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अन्ना मवेशियों को एट नगर पंचायत कार्यालय में बंद कर दिया। कार्यालय में अन्ना मवेशियों को देखते कार्यालय के कर्मचारी दहशत में आ गए और हड़कंप मच गया। बड़ी देर तक कार्यालय में अन्ना मवेशी बंद होने से काम प्रभावित हुआ। जिसकी जानकारी जैसे ही नगर पंचायत अध्यक्ष पूनम और उनके प्रतिनिधि अरविंद तथा नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी गौरव पटेल को हुई, वह मौके पर पहुंचे। उन्होंने विरोध प्रदर्शन करने वाले किसानों को समझाने का प्रयास किया, मगर किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे। बड़ी देर तक समझाने के बाद किसानों को नगर पंचायत अध्यक्ष और ईओ ने आश्वासन दिया कि अन्ना मवेशियों के लिए जल्द से जल्द अस्थाई गौशाला का निर्माण कर दिया जाएगा, तब कहीं जाकर किसान ने अपना विरोध समाप्त किया और अन्ना मवेशियों को बाहर निकाला। किसान मानवेंद्र, अजय कुमार, बृजभूषण, अवधेश दुबे, विजय बहादुर पटेल, सागर पटेल, वीर बहादुर, देवी दयाल, प्रेम बहादुर, राजेश कुमार, दीनानाथ, इरशाद, उदय नारायण, प्रेम नारायण राठौर, कुलदीप पटेल, विजय सिंह, राघवेंद्र सिंह, बृज किशोर, हरि, बबलू, श्याम जी पटेल, दीपक यादव का कहना है कि काफी समय से अस्थाई गौशाला बनाने की मांग की जा रही है। मगर किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। वहीं अस्थाई गौशाला के निर्माण को लेकर नगर पंचायत की अध्यक्ष पूनम का कहना है कि उनके द्वारा कई बार मौखिक और लिखित रूप से ईओ को इस बारे में कहा जा चुका है, मगर उनके द्वारा कोई भी काम नहीं कराया जा रहा है। जबकि ईओ गौरव पटेल का कहना है कि टेंडर निकल चुका है और जल्द से जल्द अस्थाई गौशाला का निर्माण कर दिया जाएगा, जिससे किसानों को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो सके।

कंप्यूटर साइंस के अतिरिक्त भी तकनीकी के हर क्षेत्र में इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग एवं साइबर सिक्योरिटी की है महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. एके सिंह

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में चल रही तीन दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईसीसीआईसीएस के तीसरे व अंतिम दिन भी दो टेक्निकल सेशन का आयोजन किया गया। प्रथम टेक्निकल सत्र के पहले मुख्य वक्ता प्रोफेसर आलोक चतुर्वेदी (पूर्दू यूनिवर्सिटी, यूएसए) ने इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी व टेलीकम्युनिकेशन से संबंधित मूलभूत विधियों पर प्रकाश डालते हुए तत्कालीन रोजमर्रा की जरूरत में उसके उपयोग के बारे मे बताया। सत्र के दूसरे मुख्य वक्ता प्रोफेसर मोहम्मद हारून(इंटीग्रल यूनिवर्सिटी) ने मानव मस्तिष्क संरचना व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्ट्रक्चर के मध्य, समानता व कार्य विधि, सूचना प्रबंधन व उसके संचार तंत्र को विभिन्न माध्यमों व उदाहरणों द्वारा समझाया। परसेप्ट्रॉन , हिडन लेयर्स व फीड फॉरवार्ड तंत्र के बिंदुओं पर अत्यंत सूक्ष्मता के साथ सुपरवाइज्ड व अनसुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग माध्यमों पर रोचक व्याख्यान दिया। सत्र के अन्तिम वक्ता व अध्यक्ष के रूप में उपस्थित डॉ उपेंद्र कुमार (आईटी लखनऊ) ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग के दैनिक जीवन में उपयोग तथा इसका प्रयोगात्मक रूप से कार्यान्वित करने के विभिन्न तरीकों से छात्रों को अवगत कराया। प्रथम सत्र के समापन मे सभी मुख्य अतिथियों का सम्मान स्मृति चिन्ह द्वारा इंजी.रोहित श्रीवास्तव एवं इंजीनियर प्रेम शंकर यादव द्वारा किया गया। दूसरे टेक्निकल सत्र के प्रथम मुख्य वक्ता के रूप में अनिल कुमार तिवारी जी (आईआईटी जोधपुर) ने मशीन लर्निंग व डीप लर्निंग का अनुप्रयोग एवं इमेज प्रोसेसिंग तथा पैटर्न रिकॉग्निशन जैसे डीएनए पेटर्न रिकॉग्निशन, क्राउड मैनेजमेंट को आईओटी व क्लाउड कंप्यूटिंग के परिक्षेत्र में बहुत ही सुंदर उदाहरण से वर्णित किया। अगले वक्ता कीर्ति सेठ (आई एन एच यू यूनिवर्सिटी, उज्बेकिस्तान) ने बायो इंस्पायर्ड ऑप्टिमाइजेशन तकनीकी व न्यूरल नेटवर्क से संबंधित कंप्यूटर बेस्ड प्रणाली के महत्व को दर्शाया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता कर रहे डॉ. निश्चल कुमार वर्मा (आईआईटी ,कानपुर) ने बायोइनफॉर्मेटिक्स, साइबर फॉरेंसिक सिस्टम, और हेल्थ मैनेजमेंट के क्षेत्र में मशीन लर्निंग व डीप लर्निंग के महत्व को विस्तार से समझाया। इसके साथ ही कान्फ्रेंस में विभिन्न शोधकर्ताओं नें अपनी रिसर्च पेपर को विषय विशेषज्ञों के सामने प्रस्तुत किया। कॉन्फ्रेंस के समापन समारोह में मुख्य अतिथि आसिफ सिद्दीकी (जनरल मैनेजर, इसरो टेलिमेटरी का संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह द्वारा स्वागत किया गया।

नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले का अपहरण,

पीड़ितों ने फिल्मी स्टाइल में गन्ने के खेत में बनाया बंधक

लखनऊ। लखनऊ में नगर निगम और एफसीआई में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वालों का पीड़ितों ने फिल्मी स्टाइल में अपहरण कर लिया। जिसके बाद लखीमपुर ले जाकर गन्ने के खेत में बंधक बना जमकर पीटा और पत्नी को फोन कर ठगे गए बीस लाख रुपये फिरौती में मांगे। पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से अपहरण में शामिल पांचों लोगों को गिरफ्तार घर घटना का खुलासा किया। डीसीपी साउथ विनीत कुमार जायसवाल ने बताया कि अलखनंदा अपार्टमेंट प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले प्रखर सेठ सात नवंबर को संदिग्ध हालात में लापता हो गए। उनकी पत्नी रिचा सेठ ने थाने पर आकर बताया कि प्रखर घर से किसी के मिलने को कह कर निकले थे। वापस घर लौटकर नहीं आये, उनका मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ आ रहा।पुलिस तलाश कर ही रही थी कि उन्होंने थाने पर सूचना दी कि देर रात उनको एक युवक ने फोन पर प्रखर के अपहरण करने की बात कही है। साथ ही उनको जीवत छोड़ने के बदले बीस लाख की मांग की।जिसकी जानकारी होते ही चार टीमें गठित कर प्रखर सेठ की तलाश शुरू कर दी गई। सर्विलांस और मुखबिर की मदद से 24 घंटे के अंदर अपहरण में शामिल लखीमपुर के रहने वाले पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार ओयल निवासी विकास बाबू, आमिर खान, मैलानी के विनोद कुमार, गुलजारनगर के शाबान और सरईया ओयल निवासी जमशेद ने अपहरण करने की बात कबूल की है।उनका कहना है कि प्रखर ने उनसे नगर निगम और एफसीआई में नौकरी दिलाने के नाम पर करीब बीस लाख रुपये ठग लिए थे। नौकरी न लगने पर कई बार तगादा करने के बाद भी पैसे न वापस करने पर यह कदम उठाया। आरोपियों के पास से एक लाइसेंसी पिस्टल, कारतूस, अपहरण में प्रयुक्त कार बरामद हुई है। प्रखर की पत्नी रिचा ने बताया कि प्रखर के फोन से एक युवक ने फोन पर कहा कि तुम्हारे पति का अपहरण कर लिया है। उनको देखना चाहती हो तो 20 लाख का इंतजाम करो। साथ ही उन्होंने कहा कि तुम्हारे पति ने नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी से 20 लाख रूपये हड़प लिये हैं जब तक ये 20 लाख रूपये नहीं देंगें तब तक उनके पति को नहीं छोड़ेंगे। ज्यादा होशियारी की तो तुमको और तुम्हारे बच्चों को भी मार देंगे। जिसके बाद फोन काट दिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि प्रखर सेठ से रुपये वापस लेने के लिए सुनियोजित तरीके से लूलू मॉल पर बुलाकर जबरन स्विफ्ट डिजायर गाडी में बिठाकर लखीमपुर ले गए। उसकी स्कूटी व मोबाईल विकास अलग रास्ते से लेकर लखीमपुर पहुंचा। वहीं प्रखर को पहले जमशेद के दोस्त के गन्ने के खेत में बने कमरे में बंधक बनाकर रखा।

डीएम ने महिलाओं और बालिकाओं को दी सलाह, कहा, आपकी जागरूकता से ही मिलेगा न्याय

उन्नाव। जब छात्राओं की झिझक टूटेगी तभी वे किसी भी विषम स्थिति में अपनी बात को महिला हेल्पलाइन के नंबर पर फोन करके महिला पुलिस अधिकारी से अपनी बात शेयर करेंगी। जब हर बात शेयर करेंगी तो उन्हें वहां से सुरक्षा मिलेगी। और तो और उन्हें उनकी सुरक्षा के टिप्स भी मिलेंगे। यह बाते डीएम ने निराला प्रेक्षागृह में छात्राओं, महिलाओं को जागरूक करते हुए कहीं। सुरक्षा के टिप्स दिये और महिला हेल्पलाइन के बारे में बताया। आत्मनिर्भर बनने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया गया। मेगा इवेंट मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान डीएम अपूर्वा दुबे द्वारा यौन हिंसा, लैंगिक असमानता, घरेलू हिंसा, कन्या भ्रूण हत्या, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न तथा दहेज हिंसा आदि की पीड़ित महिलाओं व बालिकाओं के साथ पारस्परिक संवाद किया। साथ ही यूपी सरकार द्वारा महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा व आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाई जा रही योजनाओं निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ, रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना, स्पान्सरशिप योजना, वन स्टाप सेन्टर, दहेत प्रथा से पीड़ित महिलाओं को कानूनी, आर्थिक सहायता योजना के बारे में जानकारी दी। डीएम ने महिलाओं, स्कूली छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि महिलाएं अपने आप को कमजोर महसूस न करें। हर उम्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रयासरत रहें। बच्चियों को शिक्षा से जोड़ें क्योंकि जीते जागते और समझने की जिज्ञासा ही आदमी को आगे ले जाती है। महिलाओं को अगर किसी प्रकार की कोई समस्या होती है। स्कूल की छात्र–छात्राओं को शोहदे तंज कसते हैं तो बिना किसी डर के 1090, 112 समेत अन्य टोल फ्री नंबरों पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं, जिससे उनकी पूर्ण सहायता कर उन पर फब्तियां कसने वाले शोहदों पर कार्यवाही हो। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ऋषि राज, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, प्रभारी महिला थाना, महिला अधिवक्ता एवं कानूनी परामर्शदाता आदि मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय मे बौद्धिक संपदा अधिकार पर व्याख्यान श्रृंखला का हुआ आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने शिक्षाविदों में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूकता पर एक व्याख्यान श्रृंखला शुरू की थी। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने दर्शकों को इस व्याख्यान श्रृंखला के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दर्शकों को शिक्षा जगत में आईपीआर के महत्व और युवा उत्साही अनुसंधान विद्वानों के साथ–साथ विभाग के संकाय सदस्यों के साथ–साथ विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के बीच आईपीआर की समझ को विकसित करने में विभाग की भूमिका से अवगत कराया। इस श्रृंखला में पहला व्याख्यान डॉ. ओम प्रकाश, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग और पेटेंट और डिजाइन, सरकार के पूर्व परीक्षक द्वारा दिया गया था। उन्होंने षपेटेंट फाइलिंग के तकनीकी और कानूनी पहलू भारतीय पेटेंट (संशोधन) अधिनियम के साथ संरेखित विषय पर अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में रसायन विज्ञान विभाग के साथ–साथ विश्वविद्यालय के कुछ अन्य विभागों के सभी संकाय सदस्यों और शोध छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

उन्नाव। जिले में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को नीचे उतरवाया और कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इसके साथ ही पुलिस मामले की जांच–पड़ताल में जुट गई। मामला फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के कस्बा ऊगू के मोहल्ला नेवादा का है। नेवादा मोहल्ला के रहने वाले शिवपाल का 30वर्षीय बेटा गोविन्द घर से बिना बताए कहीं चला गया। जब देर रात तक नहीं लौटा तो घर वालों ने खोजबीन की। मगर गोविन्द का कोई पता नहीं चल सका। सुबह खेतों की तरफ गए लोगों ने कस्बे से बाहर मून पंडित की बाग स्थिति जामुन के पेड़ पर रस्सी के सहारे फंदे से गोविन्द का शव लटकता देख तो घर वालों को सूचना दी। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। मृतक गोविन्द के तीन बेटे व एक बेटी हैं। गोविन्द ही अकेला घर की जिम्मेदारी संभालता था। टेंट हाउस में मेहनत मजदूरी करके जीवनयापन करता था। उसका कोई भाई नहीं है। केवल तीन विवाहित बहनें में शशी, मीनू व काजल हैं। परिजनों के मुताबिक घरेलू विवाद के चलते घटना को अंजाम दे डाला है। आठ साल पहले पूजा से शादी हुई थी। घटना के बाद से पत्नी पूजा तथा बच्चों में तन्मय, क्रिश, सगुन व रितिक एवं मां बिटाना व पिता समेत अन्य परिजनों का रो रो कर बेहाल है।दूसरा मामला माखी के धौंकलखेड़ा गांव के रहने वाले रमेश का अट्ठारह वर्षीय बेटा गोविंद महाराष्ट्र शहर में सिलाई का काम करता था और त्योहार मानने के लिए मंगलवार को घर आया था। किसी कारण के चलते बुधवार देर रात घर के कमरे में फंदे पर शव लटका देख परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। इसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की। मृतक गोविन्द तीन भाइयों में मंझला था। बड़ा भाई गोलू व छोटा आदित्य तथा दो बहनों में मोहिनी व पल्लवी हैं। बेटे की मौत को लेकर मां मंजू व अन्य परिजन आहत है। थाना प्रभारी वीर बहादुर ने बताया कि परिजनों ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एफएसओ ने पटाखा दुकान को किया सील,कई दुकानदार शटर गिराकर भागे

उन्नाव। जिले में दीपावली पर्व को लेकर अब्बासपुर में पटाखों की कई दुकानें लगी हैं। कई दुकानों में मानक न पूरे होने की जानकारी मिलने पर दमकल और पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से चेकिंग की। इसमें एक दुकान में क्षमता से अधिक भंडारण और कई मानक न पूरे होने पर उसे सील किया गया। साथ ही अन्य दुकानदारों को नियमानुसार पटाखों की बिक्री का निर्देश दिया। अब्बासपुर में फायर स्टेशन अफसर शिव राम यादव ने दीपावली पर्व को लेकर पटाखा की दुकानों को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम को देखकर दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदार शटर गिरा कर भाग निकले। टीम ने कई दुकानों को चेक किया, जिसमें मानक सही पाए गए। सुपर भारत पटाखा वाले की दुकान में क्षमता से अधिक बारूद का भंडारण और सुरक्षा के कोई मानक न मिलने पर तत्काल प्रभाव से सील कर दिया है। अब्बासपुर में पटाखा विक्रेताओं को सख्त हिदायत दी है यदि मानक न पूरे हुए तो दुकान सेल करने के साथ मुकदमा भी पंजीकृत कराया जाएगा। इंस्पेक्टर शिव राम ने बताया कि दीपावली त्योहार को लेकर लगातार सभी को जागरूक किया जा रहा है। कोई भी ऐसे पटाखे न बेचे जिससे जनहानि हो। कहीं पर भी बारूद का भंडारण हो तो प्रशासन को अवगत कराएं। जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे ने एक दिन पहले विकास भवन सभागार में अफसरों के साथ त्योहार को लेकर बैठक की थी। जिसमें सीएफओ को सख्त निर्देश दिए थे शहर में लगने वाली पटाखा की दुकानों को चेक किया जाए। मानक के विपरीत किसी भी दुकानदार लाइसेंस न दिया जाए। यदि कहीं भी लापरवाही पाई गई तो दुकानदार से पहले संबंधित अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।